डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

नई दिल्ली, 31.10.2017

प्रेस रिलीज़

डीएफसीसीआईएल ने मनाया 12वां संस्थापना दिवस

(कैप्शन: डीएफसीसीआईएल के 12वें संस्थापना दिवस का उद्घाटन करते हुए रेलवे बोर्ड और डीएफसीसीआईएल के अध्यक्ष श्री अश्वनी लोहानी। साथ में उपस्थित हैं माननीय रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा एवं डीएफसीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी-गण)

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने 29.10.2017 को अपना 12वां संस्थापना दिवस (फाउंडेशन डे) मनाया। इस अवसर पर नई दिल्ली के वायुसेना सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन माननीय रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा तथा रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के चेयरमैन श्री अश्वनी लोहानी ने किया।

इस अवसर पर श्री अंशुमान शर्मा, प्रबंध निदेशक, श्री नरेश सालेचा, निदेशक/वित्त, श्री एच. डी. गुजराती, निदेशक/परिचालन एवं व्यवसाय विकास, श्री डी. एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना, स्वतंत्र निदेशक-गण, वर्ल्ड बैंक और जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका) के प्रतिनिधि, रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी-गण, विभिन्न मंत्रालयों एवं लोक उपक्रमों के अधिकारी-गण तथा अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

माननीय रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि डीएफसीसीआईएल भारतीय रेल की एक महत्वकांक्षी परियोजना है, जो न केवल रेल परिवहन क्षमता में नई उंचाइयों को छुएगी, बल्कि एक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि डीएफसी माल और यात्री यातायात को अलग करके एक बेहतर और कुशल लॉजिस्टिक्स प्रदानकर्ता के रूप में उद्योगों की मांग को पूरा करने में मदद करेगी। उन्होंने डीएफसीसीआईएल को रेल मंत्रालय की तरफ़ से हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के अध्यक्ष श्री अश्वनी लोहानी ने कहा कि डीएफसीसीआईएल भारतीय रेल के मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर में महत्वपूर्ण इज़ाफ़ा करेगी। इससे रेलवे को माल भाड़े की खोई हुई हिस्सेदारी वापस मिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि डीएफसी के शुरु होने के बाद, भारतीय रेल अपने 'फ्रेट बास्केट' में विविधता ला पाएगी, जो वर्तमान में केवल आठ वस्तुओं की ढुलाई तक सीमित है।

श्री अंशुमान शर्मा, प्रबंध निदेशक, डीएफसीसीआईएल ने इस अवसर पर कहा कि डीएफसीसीआईएल देशवासियों की अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील है और पूरी टीम परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि डीएफसीसीआईएल ने पिछले कुछ वर्षों में विशेष रूप से उल्लेखनीय प्रगति की है और समर्पित भाव से कार्य करते हुए कांट्रैक्ट अवार्ड, पूंजीगत व्यय एवं भूमि अधिग्रहण जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) रेल मंत्रालय के अधीन स्थापित एक विशेष प्रयोजन संस्था है, जो ऐसे कोरीडोरों का निर्माण कर रही है, जिन पर केवल माल गाड़ियों का संचालन होगा। डीएफसीसीआईएल पहले चरण में पूर्वी और पश्चिमी कोरीडोरों के नियोजन, निर्माण, परिचालन और रख-रखाव का कार्य कर रहा है। 1856 किलोमीटर लंबा पूर्वी कोरीडोर पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के डानकुनि के बीच बनाया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के दादरी से मुंबई स्थित जवाहर लाल नेहरू पोर्ट के बीच बन रहे पश्चिमी कोरीडोर की लंबाई 1504 किलोमीटर है।

पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर लुधियाना से शुरू होकर कोलकाता के पास डानकुनि पर समाप्त होगा। यह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से

गुज़रेगा। जबकि, पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर दादरी (उत्तर प्रदेश) से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (मुंबई) पर समाप्त होगा। यह कोरीडोर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुज़रेगा।

पश्चिमी कोरीडोर का निर्माण जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) एवं पूर्वी कोरीडोर में लुधियाना से मुग़लसराय सेक्शन का निर्माण विश्व बैंक द्वारा प्रदत्त ऋण से किया जा रहा है।

प्रकाशनार्थ/प्रसारणार्थ

राजेश खरे

उप-महाप्रबंधक

जन संपर्क

डीएफसीसीआईएल

सोशल मीडिया पर हमसे जुड़ें-

www.facebook.com/dfccil.india,

www.twitter.com/dfccil_india

www.youtube.com/dfccilindia